मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD-24

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)
(एम. एच. डी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2023
एम.एच.डी.-24 : मध्यकालीन कविता—2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) रहिमन विपदा हू भली, जो थोरे दिन होय।
हित अनहित या जगत में, जानि परत सब कोय॥

(ख) केशव ये मिथिलाधिप हैं जग में जिन कीरति-बेलि बई है।
दान-कृपान बिधानन सों सिगरी बसुधा जिन हाथ लई है।
अंग छ सातक आठक सों भव तीनहु लोक में सिद्धि भई है।
वेदत्रयी अरु राजसिरी परिपूरणता शुभ योगमई है॥

(ग) नींद, भूख अरु प्यास तजि, करती हो तन राख।
जलसाई बिन पूजिहैं, क्यों मन के अभिलाख॥

(घ) ह्वै सपने तिय को पिय आइ, दई हिय लाइ बनाइ बिरी त्यों।
चुंवत ही चख चौंकि परी, सुचितै चकि सेज ते भूमि गिरी त्यों।
देव जू द्वार किवारन हूँ झंझरीन झरोखनि झाँकि फिरी त्यों।
दीन ज्यों मीन जरा की भई, सु फिरै फरकै पिंजरा की चिरी त्यों॥

2. रीतिकालीन कविता के उद्दश्यों पर प्रकाश डालिए। 10
3. नीतिकाव्य परंपरा के विकास में रहीम के योगदान पर प्रकाश डालिए। 10
4. मतिराम के श्रृंगार वर्णन का विवेचन कीजिए। 10
5. देव की कविता के वर्ण्य-विषयों की चर्चा कीजिए। 10
6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) रीतिकाल का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

(ख) प्रताप साही की काव्यगत विशेषताएँ

(ग) केशवदास के काव्य में अध्यात्म तथा दर्शन

(घ) देव की कविता में नैतिक मूल्य